



সাপ্তাহিক সংবাদ পত্র।

লোহার

কড়ি, বরগা,

এঙ্গেল, করগেট, মটকা, পাটী, বস্ট
প্লেট ও ঢালাই রেলিং, পিলার, পাইপ
প্রভৃতি উচিত মূল্যে বিক্রয় করি ও
তিঃ পিঃ তে সস্তর মাল পাঠাই।

বঙ্গন এণ্ড কোং

৬৭৪ নং ষ্ট্র্যাণ্ড রোড কলিকাতা
বড়বাজার।

জিপিএর সংবাদের নিয়মাবলী
জিপিএর সংবাদের সজ্ঞক বার্ষিক মূল্য ২২ টাকা। বৎসর ১০ টাকা। নগর মূল্য ১০ টকাই পর্যন্ত। বাৎসরিক মূল্য আদায় হইলে। সে সংখ্যায় নিলামী ইত্যাদির বিজ্ঞাপন মুদ্রিত হইবে তাহার নগর মূল্য ১০ এক আনা।
জিপিএর সংবাদের বিজ্ঞাপনের হার প্রতি সপ্তাহের জন্য প্রতি লাইন ১০ আনা, এক মাসের জন্য প্রতি লাইন প্রতিবার ১০ আনা, তিন মাসের জন্য প্রতি লাইন প্রতিবার ১০ আনা, ছয় মাসের জন্য প্রতি লাইন প্রতিবার ১০ আনা, এক বছরের জন্য প্রতি লাইন প্রতিবার ১০ আনা, এক বৎসর বা ততোধিক কালের জন্য প্রতি লাইন প্রতিবার ১০ এক আনা হিসাব। বড় স্থায়ী বিজ্ঞাপনের বিবেচনায় পত্র লিখিয়া বা বয়ঃ আনিয়া করিতে হয়। যাবতীয় চিঠি পত্র, মানচিত্র ও বিনাময় সংবাদাদি নিয়মিত টিকাদায় পাঠাতে হইবে।
ক্রীড়ার ক্ষেত্রে পণ্ডিত, জিপিএর সংবাদের কার্যালয়, বহুবাজার, মুম্বইবাজার।

১০শ বর্ষ

বহুনাথগঞ্জ—মুর্শিদাবাদ ২৮শে ভাদ্র বুধবার ১৩৪০ ইংরাজী 13th September 1933

১৬শ সংখ্যা

এই জনগণ জাগরণকালে স্মা-পুরুষের মহাবন্ধু

হিলিংবাম

সেবনে মেহরোগ চির আরোগ্য ও
নবযৌবন পুনঃ প্রতিষ্ঠিত হইবে।
১ মাত্রায় পরিচর পাইবেন, সপ্তাহে আরোগ্য হইবেন।

৩৯
বৃন্দর ধর্মীয়া রোগী ও চিকিৎসক উভয়
দলের নিত্য ব্যবহৃত। আই-এম-এস,
এম-ডি-এফ-আর-সি-এস, এম-আর-সি-
পি, এম-আর-সি-এস, এল-আর-সি-পি, এল-আর-সি-এস
প্রভৃতি উপাধিবাহী ডাক্তারগণ কর্তৃক অতি উচ্চ প্রশং-
সিত ও পৃষ্ঠপোষিত। প্রশংসাকারী হই একজন ডাক্তারের
নাম দেখুন :-

কর্ণেল কে, পি, গুপ্ত আই-এম-এস, এম-ডি, এক-আর-
সি, এম, ইত্যাদি ; লেঃ কর্ণেল এন, পি, সিংহ, আই-এম
এস, এম-আর-সি-পি, এম-আর-সি-এল, সার্জন মেজর
বি, কে, বসু, আই-এম-এস-এম-ডি-সি-এম, ক্যাপ্টেন এম,
এন, চৌধুরী, আই-এম-এস, এম-আর-সি-এস, এল-আর-
সি-পি, ডাঃ পুং এম-ডি ইত্যাদি।

মূল্য বড় শিশি ৩২, মাঝারি ২৫, ছোট ১৫
ডাক মাশুলাদি স্বতন্ত্র। বিশেষ বিবরণ
সম্বলিত তালিকা পুস্তক লিখিলে বিনামূল্যে
পাঠাই।



স্যাণ্ডো

স্বর্ণঘটিত সালসা—স্বায়মিক দৌর্বল্যের মহোষধ। পারদ
গরমী এবং যাবতীয় রক্তদুষ্টিতে অব্যর্থ।

আজকাল স্বায়মিক দৌর্বল্যে অল্পবিস্তর সকলেই কষ্ট পাইতেছেন—তার উপর এখন কৰ্মযুগ
আলিতেছে, এ সময়ে আমরা সকলকেই স্যাণ্ডো সেবন করিতে বলি। পারদ, গরমী প্রভৃতি
রক্ত দৌর্বল্যে স্যাণ্ডো সেবনে নিবারিত হয় ; পেছ সতেজ হয় ; রক্ত বৃদ্ধি হয়, দেহে নুতন জীবন,
নুতন যৌবন সঞ্চার হয়। পেশ, পাঁচড়া, দাঁদ, অশ, কাউর, বাত আমবাত সর্দি কাশি সমস্তই
স্যাণ্ডো সেবনে নিবারিত হয়।

স্ত্রীলোকের ঋতুর গোলযোগ, বাধক, দীর্ঘকাল ব্যাপী ঋতু, রক্তকালীন জাল ও ব্যথা সমস্ত
উপসর্গে স্যাণ্ডো বাহুমন্ত্রের ন্যায় কার্য করে।

মূল্য প্রতি শিশি (১৬ দিনের উপযোগী) ২২ ; ৩টী একত্রে ৫৫০
ডাক মাশুলাদি স্বতন্ত্র।

আর, লগিন্ এণ্ড কোং

ব্যারুং—কোমকট্।

১৪৮, বহুবাজার ষ্ট্রীট কলিকাতা।

টেলিগ্রাম—“হিলিং”, কলিকাতা



পঞ্চভিষকস্বষায়
ম্যালেরিয়া ও অন্যান্য জ্বরে
নুতন জাতি
প্রদান করে।

অধিদায়
মহেশ্বর নাথ সেন এণ্ড কোং লিঃ
১৮১, ১৯ নম্বরের চিৎপুর রোড,
কলিকাতা।



জঙ্গিপুৰ কবি ও শিল্প প্রদর্শনী ।

এতদ্বারা সর্বসাधारणके जानान बाईतेछे ये आगामी १९०४ सालेर आहूयारी मासे द्वितीयवार जङ्गिपुर कवि ओ शिल्प प्रदर्शनी हईवे । आशा करि कवि व्यवसायी ओ शिल्पि-गण प्रदर्शनीते प्रदर्शन योग्य विविध द्रव्य प्रस्तुत करिबेन । कविजात द्रव्येर जन्य ओ शिल्पजात द्रव्येर जन्य पुथक पुथक विभाग हईवे । विस्तृत विवरण जानिबार जन्य जङ्गिपुर को अपारेंटिभ सेन्ट्राल व्याके अहसकान करिबेन ।

श्रीविजयचन्द्र चट्टोपाध्याय,
श्रीहेमसुन्दर सरकार,
सेक्रेटारी,
जङ्गिपुर कवि ओ शिल्पी प्रदर्शनी ।

सक्रेतो देवेतो नमः ।



जङ्गिपुर संवाद ।

२८शे भाद्र बुधवार १९०४ साल ।

मृत्युर् भय देखाईया बहु टाका दावी ।

काणपुर, १८ई सेप्टेम्बर
मेसास रामाधीन रामचरण कार्थे शिवकुमार एक रामकुमार नामक दुई भाई एही मर्चे एक बेनामी चिटि पाय ये, ताहादिगके गाङ्गु बाबार पुलेर निकट १०००० टाका दिते हईवे, अन्याथाय ताहादिगके गुली करिया हत्या करा हईवे ।

प्रतिवाद ।

जङ्गिपुर साप्ताहिक संवादपत्रेर सम्पादक महाशय समीपेयु महाशय अहग्रहपूरक आमामेदेर एही प्रतिवादटी आपनार स्वानीय पत्रिकाय छापाईया बाधित करिबेन ।

सार्कजननी दुर्गेतसवके उपलक्षमात्र करिया जर्नेक सहरबासी छद्मनामे आङ्गपेपन करतः आपनार २१शे भाद्र तारिधेर जङ्गिपुर संवादे व्यक्तिगत बिधेबिध उद्गीरण करियाछेन । सहरबासीर आर ये गुणई धाकुक ना केन, साहस ओ सत्यवादिता ये नाई ताहाते कोन सम्वेह धाकिते पावे ना । स्वानीय वार-लाईब्रेरीर घटना-बलीर समालोचना करिते बाईया सार्कजननी दुर्गेतसवेर न्याय साधारण अग्रगतिमूलक कार्यके आवात देओगा कतदूर लक्षत ताहा पाठकगण बिचार करिबेन ।

ए वंसरेर ४पूजार तार स्वानीय हिन्दुसुता ग्रहण करियाछेन । ये कयजन व्यक्तिके लईया उक्त पूजा कर्मिटी गठित हईयाछे, ताहार मध्ये आमामेदेर नाम आछे । आमामेदेर उक्त कार्ये आन्तरिकता आछे कि ना, ताहार परिचय सहरबासी गत वंसरई बिशेषभावे पाईयाछेन । आर वर्तमान वंसरेर आन्तरिकता ना धाकिलेओ ताहाते बिशेष क्षति संभावना नाई । कारण आमामेदेरके बाद दिलेओ पूजा कर्मिटीते ए वंसर एमन सकल गण्यमान्य व्यक्ति आछेन बाहादेर कर्तुधाधीने कोन कार्यई निष्फल हओगार संभावना नाई ।

सहरबासीर साधारण कार्ये कतदूर आन्तरिकता एवम् उन्साह आछे ताहा आमरा जानि ना । ताहार कर्म-तालिका ए पर्यन्त साधारण प्रचारितओ हय नाई । ताहार न्याय गुणरत्नर सन्धान पाईले हयत स्वानीय हिन्दुसुता नादरे ताहाके पूजा कर्मिटीते सथायोग्य स्थान दिया आन्तरिकतार अभाव पुन्य करिते पायेन । आमामेदेर उपस्थितिसे अभाव घटिबार संभावना ताहार न्याय व्यक्ति खुब सजब ताहा पुन्य करिते पाविबेन । वार-

लाईब्रेरीते जन कयके कति वंसदेर सदागणेर थापछाड़ा व्यवहारे ये परिस्थिति सृष्टि हईयाछिल, ताहाके स्पृशता-वर्जन (!) आन्दोलन बला घाय ना, कारण सेथाने जन्मगत, वर्णगत वा अर्थगत अस्पृशता नाई । कोन व्यक्ति छोर करिया यदि उक्त गण्डीबन्ध कृत्र व्यापारेर सहित वर्तमाने देशव्यापी विराट समाज संस्कार आन्दोलने तुलना करिते चाहेन ताहा हईले तनि इच्छा करियाई निजेके अस्पृश-तार आसने बसाईतेन, तज्जन्य आमरा दायी नहि । कारण जन कयके पककेश उक्लि व्यक्तिगत क्रूरतिर ओ सुविधार थातिरे वार-लाईब्रेरीर एकटी पुथक व्यवस्था करियाछेन, एवम् यदि ताहादेर सधके आरओ कयकेजन अपककेश जुनियर सहयोगिता करितेछेन, सुत्रांग ताहादेर साधारणेर कार्ये आन्तरिकतार अभाव घटि-याछे, ए युक्ति आदो आवातसह नहे, एवम् दीर्घमूलक ताहाते कोन सम्वेह नाई । ताहाछा वार-लाईब्रेरीर व्यापारे सामयिक उद्वेजनार सृष्टि हईया थाकिलेओ ताहा ये क्रमे मिटमाटेर दिके बाईतेछे ताहा अस्वीकार करा याय ना । सहरबासीर न्याय अहूदार व्यक्तिर गुण अक्रमण यदि से दौहाद सृष्टिते बाधा देय ताहा हईले से दायिब ताहाके बहन करिते हईवे ।

गत वंसरेर सार्कजननी दुर्गा पूजार हिमाव स्वानीय संवादपत्रे प्रकाश करिबार जन्य सम्पादक महाशयके देओगा हईयाछिल, तनि समयेर अज्ञता, अस्वविधा ओ हिसावेर पाठोकादेर अक्षमता जानाईया प्रकाशित करेन नाई । आशा करि तनि प्रकाश करिबेन ।

परिशेवे बक्तय एही ये, गत वंसरेर पूजार व्यापारे स्वानीय युवक सम्प्रदायेर अग्रणीरूपे श्रीमान् अमियमोहन राय ओ श्रीमान् सरकम सरकार ये, उन्साह ओ आन्तरिकता प्रकाश करिया कार्योकादर करियाछेन, ए वंसरओ ताहारा सेई प्रकाश प्रशंसनीय उदामेर सहित चादा संग्रह इत्यादि कार्ये सुकर करियाछेन । आशा करि आमामेदेर उद्वेग प्रति बिधेबिधतः कोन व्यक्ति उक्त भद्र युवक-गणेर कार्ये बाधा दिबेन ना वा साधारणेर कार्ये बाधा दिबेन ना । अनमति विस्तारेण ।

श्रीकण्ठभूषण मुखोपाध्याय,
श्रीयोगीन्द्रनारायण दत्त ।

नीलामेर इस्ताहार ।

चौकि जङ्गिपुर प्रथम मुस्केफी आदालत ।
नीलामेर दिन २७शे अक्टोबर १९०७ ।

२८८ थांग डिः कालीचरण सिंह देग बिन्दुवासिनी देवी दावि २५१५/० पंग ककुनपुर मोजे जङ्गिपुर कालियाई २० शतकेर कात ८ तहपरिस्थित पोका दोताला वाटा माय ईट काठ कपाट चौकाठ तीर वरगा नओगा जिमा इत्यादि सह तलसु जमि आः ३००० चिरहायी प्रजा । २२२ लाट ए परगणादि ५ शतकेर कात ५०/० आः २०० ए सव २८२ थांग डिः दे दे दावि २५८१/० परगणादि २० शतकेर कात ८ तहपरिस्थित पोका दोताला घर माय ईट काठ कपाट चौकाठ तीर वरगा नओगा जिमा इत्यादि सह तलसु जमि चिरहायी प्रजा सव आः ३००० २२२ लाट परगणादि ५ शतकेर कात ५०/० आः २०० दफादार सव ।

२९१ थांग डिः कालीकुमार चट्टोपाध्याय देग राज्या घोषानी दावि १०५/० पंग पंग गनकर मोजे गनकर २ शतकेर कात १० आः ५ इहार उपरिस्थित घर माय चाल छापार कपाट चौकाठ दरजा जानाला इत्यादि नओगा जिमा ओ आकाठा सुकाठा सुकादि सह नीलाम हईवे ।

३०४ मनि डिः श्रीनाथ हालदार देग पण्डित मंगलगंग दावि २२२/२ पंग नओगानगर मोजे निन्ता २१ शतकेर कात २१/८ आः १०० २२२ लाट पंग एकवरसाही मोजे ३-५ शतकेर कात ७ आः १५ ३०२ लाट परगणादि ३ ३७ शतकेर कात २/२ पाई आः १० ४२२ लाट परगणादि

३ १२ शतकेर कात २१/२ आः १० ५२२ लाट परगणादि ३ १२ शतकेर कात १ आः २ ७२२ लाट परगणादि ३ १-१५ शतकेर कात ५१० आः १० तहपरिस्थित बाष २०० शत । १२२ लाट पंग मुरारीपुर मोजे तालाई १-२८ शतकेर कात १०/७ आः १० ८२२ लाट परगणादि ३ १० शतकेर कात १/० आः २ २२२ लाट परगणादि ३ १-४० शतकेर कात १०५/२ पाई आः १० १०२२ लाट परगणादि ३ १-७० शतकेर कात ११/५ पाई आः १० ११२२ लाट परगणादि ३ ३-२४ शतकेर कात १० १२२२ लाट परगणादि ३ ३० शतकेर कात २१/७ आः ५ उपरिलिखित लाटकुलिते देन्दारेर रायति मोकरीर सव । १०२२ लाट परगणादि ३ ४५ शतकेर कात ७०/७ आः १० १४२२ लाट परगणादि ३ ४७ शतकेर कात २१/२ आः १०

४८२ मर्गेज डिः इन्दुबाला दासी देग अखिनीकुमार मुखोपाध्याय दिग पंग गनकर मोजे देउलीग्राम १२२ दागे ७१० मध्ये २१ शतक ओ १-२० शतकेर कात ५ ७ २१०४ २२ दागे २१ शतक ओ १-१८ शतक निस्कर आः ४०००

चौकि जङ्गिपुर द्वितीय मुस्केफी आदालत ।
नीलामेर दिन २७शे अक्टोबर १९०७ ।

७५० थांग डिः महाराज बाहादुर सिंह देग प्रभावती दासी दावि ७०/० पंग साहाबाजपुर मोजे बनेधर ३-८ शतकेर कात ८१/० आः ४००

७६८ थांग डिः निर्मलकुमार सिंह नओलाफा देग कजदि मंगल दावि १८८५० पंग काकजोल मोजे साकोपाड़ा ३१/१४१ टाका जमा उक्त जमिर उपरिस्थित चतुःशाला ४टी करगेट टिनेर घर माय टिन सिट खुटि कपाट चौकाठ नओगा जिमा समेत आः ५००

२८५ थांग डिः कुमार कमलारजन राय देग कालू चौधुरी नाबालक पक्षे अलि माता मतिबाला दासी दावि १४०/० पंग ककुनपुर मोजे मनिग्राम २-२८ शतकेर कात ७१/० आः ८

२७ मनि डिः चादमल सेराओगी देग महिउदिन विश्वास दिग दावि २५१५० पंग ककुनपुर मोजे अनसुपुर १०२ धुल जमिर कात ८५/७ देन्दारेर १/२११ रकम अंश माय तहपरिस्थित आम कांठा आकाठा सुकाठा सुकादि आः १० २२२ लाट परगणादि ३ ८५४२ धुल जमिर कात १७५/० देन्दारेर १/१११ अंश मोकरीर ज्ञात आः ५ ३०२ लाट परगणादि ३ १०११ धुल जमिर कात ७/० गुणा देन्दारेर १/१११ अंश आः ५ ४२२ लाट परगणादि ३ १५५०५ धुल जमिर कात १४५/० देन्दारेर १/१११ अंश आः १ ५२२ लाट परगणादि ३ १/१० धुल जमिर कात १० आना देन्दारेर १/१११ अंश आः २ ७२२ लाट १४५० धुल जमिर कात १/५ देन्दारेर १/१११ अंश आः १००

३४२ मनि डिः निर्मलकुमार सिंह नओलाफा देग सौरेरनाथ राय दावि ३२७५/० पंग राजसाही मोजे अहपनगर पत्तनी सव रकम १० जमा ७८१/० आः ३००

४०० बेरहान डिः रक्षादास मंगल देग जननी बेओया दावि ७४५/० पंग गनकर मोजे बरगड़ा १४५० जमिर कात ८ आः २ २२२ लाट मोजे ३ ३० शतकेर कात १० आः ३ ३०२ लाट २-४४ शतकेर कात ३१/० तमध्ये १-१७ शतकेर कात १५/० आः १० ४२२ लाट ३ मध्ये ४-७७ शतकेर कात १७/० मध्ये ४४ शतकेर कात २ आः ८

२५२ मनि डिः कुलेशचन्द्र मंगल देग कालिकुमार चौधुरी दावि ५००/२ पंग एकवरसाही मोजे थारिओर ५-८१ शतक निस्कर अर्द्धक अंश आः १०० २२२ लाट ३ मध्ये ३-५५ शतकेर कात ३१० ३ ४-८७ शतकेर कात ५ अर्द्धक अंश आः १२०

বৈজ্ঞানিক রবার ড্রব্য ।

রবার কুশন (বেড-সোর বা শয্যাশক্ত নিবারক) প্রত্যেকটি ৭
 রবার গ্লোভস্ (অপারেশনে সার্জনের ব্যবহার্য) জোড়া ৫
 ফিঙ্গার ষ্টল্ (আঙ্গুলে পরিবার জন্য) প্রত্যেকটি ১/০
 রবার ক্যাপ (গর্ভরোধক ও সংক্রামক রোগ নিবারক) ডজন ৩
 রবার পেশারী (স্ত্রী-ব্যবহার্য—বড়, মধ্যম, ছোট) প্রত্যেকটি ২
 বিতরিত মূল্য-তালিকাৰ জন্য পত্র লিখুন ।
 পি, বি, সাপ্লাই এজেন্সী,
 পোষ্ট বক্স নং ১১৪০৪ কলিকাতা ।

ছাদের জন্য

লোহার কড়ি

বরগা, এঙ্গেল, করগেট, বল্ট ইত্যাদি উচিত মূল্যে বিক্রয় করি ।
 সত্বর দরের জন্য পত্র লিখুন ।
নিরঞ্জন এণ্ড কোং
 প্রোঃ জীমহিমারঞ্জন চট্টোপাধ্যায় ।
 ৬৭।৪ নং ষ্ট্রাণ্ড রোড, বড়বাজার, কলিকাতা ।

হোমিও ঔষধ ! হোমিও ঔষধ !!

সস্তায় বিশুদ্ধ—বিশুদ্ধতার জন্য গ্যারান্টি ।
 সাধারণ শক্তি (potency) ৩, ৬, ৩০ প্রতি ড্রাম ১/১৫, ২০০ প্রতি ড্রাম ১/০ মাত্র । উৎকৃষ্ট জগার, গ্লোবিউল, কর্ক, শিশি ইত্যাদি বিক্রয়ার্থ মজুত আছে ।
 ডাক্তার শ্রীদেবেন্দ্রচন্দ্র দাস (হোমিওপ্যাথ)
 প্রাপ্তিস্থান—অটলবিহারী-শাখা-ওষধালয় ।
 রঘুনাথগঞ্জ, চাউলপাড়া, (মুর্শিদাবাদ)

কলোনিয়াল কুইনাইন ক্রোমনিয়
 "সি.কিউ.সি" কুইনাইন ট্যাবলেট

ভারতের একমাত্র দেশীয় কুইনাইন প্রস্তুতের কারখানা ।
 কাঁচা মাল, পরিষ্কৃত, মূল্যে সমস্তই ভারতের নিজস্ব । বিতরিত বিবরণ ও দরের জন্য পত্র লিখুন ।
 সোল ডিস্ট্রিবিউটার—বসাক ফার্মারী ৩নং ব্রজচূলাল ষ্ট্রিট, কলিকাতা ।

তিপসহির কালী

পণ্ডিত প্রেসে পাইবেন ।
 মূল্য প্রতি কোটা পাঁচ পয়সা ।



ছকের স্বাস্থ্য ও সৌন্দর্য্য সংরক্ষণের অভিনব প্রসাধন ড্রব্য

রেডিয়াম স্নো

ছকের উপর অদৃশ্যভাবে অতি সূক্ষ্মতর আবরণরূপে লাগিয়া থাকে । গ্রীষ্ম-জনিত কষ্ট এবং চর্মরোগ হইতে দেহকে রক্ষা করে ।

শিশুদিগের কোমল চর্মে নিরাপদে ব্যবহার করা যায় ।

স্বনামধন্যা শ্রীমতী সরলা দেবী বলেনঃ—রেডিয়াম স্নো দেখিতে সুন্দর, স্রাণে সূক্ষ্ম ও স্পর্শে কোমল । ইহার আকার প্রকারের মৌঠব বিলাতীর সমতুল । দেশী কারখানায় দেশী লোকের দ্বারা প্রস্তুত হইতেছে—না জানিলে ইহাকে একটা শ্রেষ্ঠ বিলাতী বস্তু বলিয়া ভ্রম হইতে পারে ।
 (স্বাঃ) শ্রীসরলা দেবী ।

প্রস্তুতকারক—**রেডিয়াম ল্যাবরেটরী** কলিকাতা ।
 ফোন—৩০৬২ বি, বি ।
 সোল এজেন্টস্—**বসাক ফ্যাক্টরী**
 ৩নং ব্রজচূলাল ষ্ট্রিট, কলিকাতা
 ফোন—২১৮৩ বড়বাজার ।
 সব দোকানে পাওয়া যায় ।

ইহার অনোম্য শক্তি দেখিয়া বিস্মিত হইবেন ।

৫৬ বৎসরের পরীক্ষিত লক্ষ লক্ষ ম্যালেরিয়া প্রপীড়িত রোগীর দ্বারা ব্যবহৃত ।

অমৃতাদি কষায়

ম্যালেরিয়া জ্বর, বিষমজ্বর, যুসুযুসে জ্বর, প্লীহা-যকৃৎসংযুক্ত জ্বর, দ্বৌকালীন জ্বর, পালাজ্বর প্রভৃতি সর্বপ্রকার নূতন ও পুরাতন জ্বরের অব্যর্থ মর্হৌষধ ।
অমৃতাদি কষায়—কুইনাইন সদৃশ শক্তিশালী জ্বর ঝ এবং বলকারক গাছগাছড়ার সংমিশ্রণে প্রস্তুত, সম্পূর্ণ নিরাপদ এবং নির্ভরযোগ্য ।
অমৃতাদি কষায়—ব্যবহারে জ্বর অবিলম্বে বিরাম প্রাপ্ত হয় এবং ইহা জ্বরের পুনরাক্রমণে বাধা প্রদান করে ।
অমৃতাদি কষায়—যকৃৎের উপর ক্রিয়া করে, পিত্ত নিঃসারিত করে; কোষ্ঠ পরিষ্কার করিয়া মুখাবৃদ্ধি করে; বৃদ্ধিত প্লীহা এবং যকৃৎের আকার হ্রাস করিয়া স্বাভাবিক অবস্থায় পুনরানয়ন করে; রক্ত পরিষ্কার করিয়া রোগীকে শক্তিশালী করে ।
অমৃতাদি কষায়—ম্যালেরিয়া জ্বরের যাবতীয় বিষ সমূলে বিনষ্ট করিয়া শরীর হইতে বহির্গত করিয়া দেয় এবং রোগীকে অতি সত্বর সুস্থ, সবল এবং কাঙ্ক্ষিত করে ।

মূল্য প্রতি শিশি একপোয়া ১—অর্দ্ধপোয়া ১০

সি, কে, সেন এণ্ড কোং লিঃ,

২৯নং কলুটোলা ষ্ট্রিট, কলিকাতা

বঙ্গল আয়ুর্বেদিক ওষুধসমূহ



ম্যালেরিয়া এবং সর্বপ্রকার জ্বরের অব্যর্থ মহৌষধ।

চূতন জ্বর ১ দিনে পুরাতন জ্বর ৩ দিনে
আরোগ্য হয়।

বিশেষ দ্রষ্টব্যঃ—চাঁদমার্কা পিচনের জাল ধরা পড়ায় উহার প্রতিকারার্থে শিশির
প্যাকিংএর কিছু পারবর্তন করা হইয়াছে। পূর্বে কেবলমাত্র সাদা কাগজে নিয়মাবলী
সুওয়া হইত। এখন প্রত্যেক শিশির গায়ে হলুদবর্ণের কাগজে পিচন প্রস্তুতের বিবরণ ছবি
ও ব্যবহারবিধি এবং আমাদের কুইনাইন ট্যাবলেট, রেডিয়াম মো প্রভৃতির বিবরণ ছাপাইয়া
পুস্তিকাভায়ে দেওয়া হইয়াছে। গ্রাহকগণ এখন হইতে বর্তমান-প্যাকিং দেখিয়া মাল গ্রহণ
করিলে নিরাপদ হইবেন ও খাঁটি জিনিষ পাইবেন।

সোল এজেন্টঃ—

বসাক ফ্যাক্টরী

৩নং ব্রজচূলাল ষ্ট্রীট, — কলিকাতা।

যে জ্বিমিয় বহুলোকের অন্তর প্রশ্ন করিয়াছে

১। অমৃতার্থ অবলেহঃ—এই অবলেহ সেবনে দৃষ্টিত রক্ত পরিষ্কৃত হয়, গুরু গাঁড় ও
বর্জিত হয়। দেহকে বলিষ্ঠ এবং কাস্তিযুক্ত করে। ইহা ব্যবহারে মস্তিষ্কের দুর্বলতা দূর
করতঃ শরীরের অতিরিক্ত উত্তাপ হ্রাস করে এবং স্নতি ও ধারণশক্তি পরিবর্ধিত করে।
২০ তোলা পূর্ণ প্রতি কৌটার মূল্য ২০ টাকা।

সকল সম্পদের সার, স্বাস্থ্যের শ্রেষ্ঠ পুস্তক "বামশাস্ত্র" গত্র-লিখিলেই বিনামূল্যে ও বিনা
ডাকমাগুলে পাইবেন।

আত্মকনিগ্রহ ঔষধালয়।

২১৪নং বহুবাজার ষ্ট্রীট, কলিকাতা।

১৮২৭ সালে আবিষ্কৃত

ধবল বা ষ্ঠেতি (শেতুকুষ্ঠ)

রোগের অব্যর্থ মহৌষধ ব্যবহার করিয়া অসংখ্য রোগী আরোগ্য লাভ করিয়াছে,
কেহই নিষ্ফল হয় নাই। যে অঙ্গে যত দিনেরই রোগ হউক সপ্তাহে লাল হইয়াক্রমে
নির্দোষ স্থায়ী আরোগ্য হয়, পুনরাক্রমণের কোন আশঙ্কা থাকে না। ঔষধে কোন
দুর্গন্ধ বা বিষাক্ত পদার্থ নাই। মূল্য তৈল ও চূর্ণ ২০ টাকা।

বহু এণ্ড সঙ্গ

১০১৫, বকুলবাগান ১ম লেন, ভবানীপুর, কলিকাতা।

শিশুর খাদ্য

আমাদের শালী
আধুনিক উন্নত বৈজ্ঞানিক
প্রণালীতে প্রস্তুত,
শ্রেষ্ঠ ও মূলভ বলিয়া
ভারতবর্ষের গৃহে গৃহে
ব্যবহৃত হইয়া আসিতেছে
পুষ্টিশক্তি বৎসরের
প্রতিষ্ঠিত

BOSES' INDIAN BARLEY
1lb net

Prepared only of Genuine
& Selected Grains
K.C. BOSE & CO.
SHAMBAZAR STEAM
BISCUIT & BARLEY FACTORY
CALCUTTA

কে সি বসু এণ্ড কোং
প্যামবাজার, দক্ষিণ কলিকাতা এণ্ড বালী কলিকাতা
কলিকাতা

ফুলশয্যার সূত্রনা।

আবার বিবাহের সময় আসিতেছে। আবার বিবাহের বিধানে অনেক নরনারীর ভাগ্যলিপি
নমস্কৃত-আবদ্ধ হইবার মাহেস্ত্রফণ আসিতেছে। মনে রাখিবেন বিবাহের তত্ত্বে, বর-কনের ব্যবহারের
জন্য, ফুলশয্যার দিনে সুরমার বড়ই প্রয়োজন। ফুলশয্যার রাতে কোন বাড়ীর মহিলারা সুরমা ব্যবহার
করিলে, ফুলের খরচ অনেক কম হইবে। "সুরমার" সূত্রনা শত বৎসর, মহতঃ মালতীর সৌরভ গৃহ-
কক্ষে ফুটিয়া উঠিবে। সমস্ত মঙ্গলকাঙ্ক্ষী "সুরমার" প্রচলন। বড় এক শিশি সুরমার অর্থাৎ সামান্য
৫০ বার আনা ব্যয়ে অনেক কুলমহিলার অঙ্গভাগ হইতে পারে।
বড় এক শিশির মূল্য ৫০ বার আনা; ডাকমাগুল ও প্যাকিং ১১/০ এগার আনা। তিন
শিশির মূল্য ২০ হই টাকা মাত্র; মাগুলাদি ১১/০ এক টাকা পাঁচ আনা।

সোমবঙ্গী-কষায়।

আমাদিগের এট লালসা ব্যবহারে সকলপ্রকার বাত, উপদংশ, সর্বপ্রকার চর্মরোগ, পাণা-বিষ্কৃতি
ও বাবতীয় দুর্ভক্ষত নিশ্চরই আরোগ্য হয়। অধিকতঃ ইহা সেবন করিলে, শারীরিক দৌর্বল্য ও ক্লান্ততা
প্রভৃতি দূরীভূত হইয়া শরীর স্বাভাবিক এবং প্রফুল্ল হয়। ইহার ন্যায় পারাদোষনাশক ও রক্তপরিষ্কারক
সাধনা আর দৃষ্ট হয় না। বিদেশীয়দিগের বিলাতী সাধনা অপেক্ষা ইহা অধিক উপকারক। ইহা
সকল ক্ষতুতেই বালক-বৃদ্ধ-বনিতাগণ নিষ্কিমে সেবন করিতে পারেন। সেবনের কোনরূপ বাধাবিধি
নিয়ম নাই। এক শিশির মূল্য ১০ টাকা; ডাক মাঃ ও প্যাকিং ২১/০ এক টাকা তিন আনা।

জ্বরশানি।

জ্বরশানি—ম্যালেরিয়ার ব্রহ্মাঙ্গ। জ্বরশানি—বাবতীয় জ্বরেই মঙ্গলশক্তি ন্যায় উপকার
করে। একজ্বর, পালাজ্বর, কম্পজ্বর, প্লীহা ও বক্রবটিক জ্বর, দ্বৌকালীন জ্বর, মজ্জাগত ও মেঘটিত
জ্বর, ধাতুস্থ বিষমজ্বর, এবং মূখনেত্রাদির পাণ্ডুবর্ণতা, কৃধামান্দ্য, কোষ্ঠবদ্ধতা, অচায়ে অরুচি, শারীরিক
দৌর্বল্য, বিশেষতঃ কুইনাইন সেবনে যে সকল জ্বর আরোগ্য না হয়, সে সমস্তই এই ঔষধ সেবনে
নিঃসন্দেহরূপে নিবারিত হয়। ইহার সহায়তায় যে কত নিরাশ রোগী নবজীবন লাভ করিয়াছেন,
তাহার ইয়ত্তা নাই। এক শিশির মূল্য ১০ এক টাকা, মাগুলাদি ১১/০ এক টাকা তিন আনা।

মিলক অব্ রোজ

ইহার মনোরম গন্ধ জগতে অতুলনীয়। ব্যবহারে স্বকের কোমলতা ও মুখের লাবণ্য বৃদ্ধি পাণ
ত্রণ, মেচেতা, ছুপি, ঘামাচি প্রভৃতি চর্মরোগ সকলও ইহাচার্য্য আচরে দূরীভূত হয়। মূল্য বড় শিশি
৫০ আট আনা, মাগুলাদি ১০ সাত আনা।

বাবতীয় কবিবাজি ঔষধ, তৈল, সূত্র, মোদক, অবলেহ, আমব, অরিষ্ট, মকরমুখজ, মৃগনাতি
এবং সকলপ্রকার জীবিত ধাতুদ্রব্য আমরা অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করিয়া, যথেষ্ট
ক্ষুভদরে বিক্রয় করিতেছি। এরূপ খাঁটি ঔষধ অন্যত্র দুলভ।
রোগিগণ স্ব স্ব রোগবিবরণ লিখিয়া পাঠাইলে, আমরা অতি যত্নসহকারে উপযুক্ত ব্যবস্থা
পাঠাইয়া থাকি। ব্যবস্থা ও উক্তরের জন্য অর্ধ আনার ডাক-টিকিট পাঠাইবেন

কবিবাজি—শ্রীশক্তিপদ সেম।

আয়ুর্বেদীয় ঔষধালয়।

১৯১২ নং লোহার চিংপুর রোড, ট্রেটবাজার, কলিকাতা।

বেসল হোমিও
কোমকলেওয়াকস

পরীক্ষিত ঔষধাবলী
কাস্টিক
বসন্তের প্রতিষেধক।
পেপ—অজীর্ণ ও অম্ল।
বিল—হিষ্টিরিয়ার ঔষধ।
লুং—হাঁপানীর উপকারী।
হর—চুলকানি ও চর্মরোগে।
মূল্য প্রতি ড্রাম ১০ আনা।



সার্জারী জগতে যুগান্তর।
মহাত্মা আনন্দ ষায়র আবিষ্কৃত একমাত্র
অপেরীণ ইহা ব্যবহারে লক্ষ লক্ষ রোগী
বাণী, ফোড়া, কাকবিড়ালী, ঠুনুকা, মুখের ত্রণ,
পৃষ্ঠ ত্রণ, উল্লস্তু, শীতলী কর্ণমূল প্রভৃতি বহুগা-
ত্রদ ব্যয় বহুল রোগ হইতে বিনা অস্ত্র ও বিনা
জ্বালা যন্ত্রণায় মন্ত্রমুখের ন্যায় আরোগ্য হয়।
মূল্য প্রতি শিশি ১১, ডজন ১২০ মাত্র।

**দামোদর
সুখা**

ইহা সেবনে ম্যালেরিয়া জ্বর, প্লীহা ও বক্রত সংযুক্ত জ্বর, নূতন
পুরাতন জ্বর, পালা ও কম্প জ্বর, পিত্তশোথার জ্বর প্রভৃতি সর্বপ্রকার
জ্বর অতি সস্তর আরোগ্য হয়। ম্যালেরিয়া প্রসীড়িত বালক লিভার ও
প্লীহা ধরা আক্রান্ত হইয়া ন্যায্য, শোথযুক্ত জীর্ণ শীর্ণ এমন কি অস্থি
চর্মদার হইয়াও এই দামোদর সুখা ব্যবহারে নিতাই আরোগ্যলাভ
করিতেছেন। মূল্য ১০/০ গ্রাহার মালিষ সমেত ১২

ফেরোকল—বাবতীয় গণোরিয়া (মেহ, প্রমেহ) রোগের অব্যর্থ মহৌষধ। আত্মকাল
প্রায় অধিকাংশ মুবক মুবতী এই রোগে আক্রান্ত হইয়া যৌবনে বার্কাক্য প্রাপ্ত হন, এবং
নানাপ্রকার যন্ত্রণায় মর্ষণীভা ভোগ করেন এমন কি অনেকে জীবনে হতাশ হইয়া থাকেন।
ইহা ব্যবহারে উক্ত যন্ত্রণা প্রস্রাবে জালা ও পূজ ২১০ দিনে আরোগ্য করে। একটা
পিচকারীসহ প্রতি শিশি মূল্য ১০/০ উক্ত ঔষধ সমূহ ভিঃ, পিতে লইলে মাগুলাদি স্বতন্ত্র লাগে।

সোল প্রোঃ **ডঃ বিরায় এণ্ড কোং, কোমিষ্টন্স** এজেন্টস—
ফতেপুর, পোষ্ট গার্ডেন রীট, কলিকাতা এম, ভট্টাচার্য্য এণ্ড কোং
কলিকাতা